राजभाषा प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण

निरीक्षण प्रतिवेदन

(दिनांक 28 मार्च, 2025)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

सागर – 470 003 (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी हेतु अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दो सदस्यीय उच्चस्तरीय निरीक्षण समिति का गठन किया गया। उक्त निरीक्षण समिति द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2025 (शुक्रवार) को विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उच्च पदाधिकारीगण डॉ. मृगांक शेखर सर्मा, उप सचिव एवं डॉ. अमित कुमार वर्मा, शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

क. समिति द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ एवं विभिन्न अनुभागों का भौतिक निरीक्षण :

समिति ने विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति के निरीक्षण हेतु विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न अनुभागों एवं कार्यालयों का भ्रमण कर राजभाषा कार्यान्वयन की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया।

(i) राजभाषा प्रकोष्ठ : समिति ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ कार्यालय का भ्रमण किया। संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने समिति के सदस्यों का स्वागत किया। समिति के सदस्यों ने राजभाषा अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की तथा संबंधित दस्तावेजों का परीक्षण किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। समिति ने विश्वविद्यालय द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पत्राचार, हिन्दी पुस्तकों की खरीदी तथा टिप्पण आलेखन में हिन्दी के प्रयोग की स्थिति से संबंधित दस्तावेजों एवं आंकड़ों का अवलोकन किया। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित गृह राजभाषा पत्रिका 'भाषा भारती' की प्रशंसा करते हुए समिति ने कहा कि विश्वविद्यालय के कार्मिकों की रचनात्मकता को मंच प्रदान करने के लिए पत्रिका का प्रकाशन एक महत्त्वपूर्ण कदम है जिसका अनुकरण अन्य विश्वविद्यालयों को भी

करना चाहिए। इस दौरान राजभाषा प्रकोष्ठ के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना, उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

तदुपरांत विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों/अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का भी दौरा किया तथा राजभाषा क्रियान्वयन की समीक्षा की।

(ii) जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय : राजभाषा प्रकोष्ठ के निरीक्षण के उपरांत समिति ने विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय 'जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय' का भ्रमण किया। पुस्तकालय के भ्रमण के दौरान समिति ने पुस्तकालय भवन में प्रदर्शित सामग्री का अवलोकन किया। पुस्तकालय की कार्यप्रणाली को समझते हुए विभिन्न विषयों के कैटेलॉग, पुस्तक प्रखंडों तथा हिन्दी में उपलब्ध पुस्तकों का अवलोकन किया। समिति के साथ मौजूद राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि यह पुस्तकालय मध्यप्रदेश का सबसे वृहत् पुस्तकालय है जिसमें लाखों की संख्या में उच्चकोटि की पुस्तकें उपलब्ध हैं। समिति ने पुस्तकालय में अध्ययरत विद्यार्थियों से भी बातचीत की। इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, सूचना विज्ञानी डॉ. दयानंदप्पा कोरी सहित पुस्तकालय के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

(iii) भारतीय भाषा प्रकोष्ठ : इसके उपरांत समिति ने कौटिल्स भवन स्थित 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' का दौरा किया। मंत्रालय के निर्देशानुसार गठित इस प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. देवाशीष बोस ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 के आलोक में विश्वविद्यालय में बहुभाषिकता को बढ़ावा देने तथा भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तक निर्माण के संबंध में किये जा रहे प्रयासों पर केन्द्रित प्रस्तुतिकरण दिया तथा विश्वविद्यालय में उक्त कार्यों की प्रगति पर केन्द्रित लघुचित्र भी प्रदर्शित किया। समिति ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्रो. बोस ने अवगत कराया के विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा भारतीय भाषाओं में लिखित 12 पुस्तकों का विमोचन राष्ट्रीय शिक्षा समागम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के

करकमलों से किया गया। विश्वविद्यालय की यशस्वी कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में पुस्तक लेखन का कार्य अनवरत जारी है वर्तमान में भी लगभग 06 भाषाओं में पुस्तकें तैयार हैं तथा शेष पर कार्य प्रगति में है। निरीक्षण के दौरान राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा भी उपस्थित रहे।

(iv) मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र : समिति के सदस्यों डॉ. मृगांक शेखर सर्मा एवं डॉ. अमित कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा किया। केन्द्र के निदेशक डॉ. आर.टी. बेद्रे ने समिति को यूजीसी, नई दिल्ली के परामर्श से केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। समिति ने विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों, प्रशिक्षण सामग्री, आवेदन प्रपत्र, प्रतिभागियों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों एवं आंकड़ों का अवलोकन किया। समिति के निरीक्षण के दौरान उपस्थित राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने केन्द्र द्वारा प्रदर्शित सामग्री, पत्रशीर्ष एवं द्विभाषी रबर मुहर के प्रयोग की ओर सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया। राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में केन्द्र द्वारा किए जा प्रयासों की समिति ने भूरिभूरि प्रशंसा की। इस दौरान केन्द्र के कार्यालय सहायक सुमंत नामदेव, पुस्तकालय प्रभारी संतोष उइके एवं बहुकार्य कार्मिक बालचंद्र बौद्ध आदि उपस्थित रहे।

(v) सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ : विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं अन्य आईसीटी सेवाओं में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की स्थिति का जायजा लेने के लिए समिति के सदस्यों ने सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ का दौरा किया। समिति के सदस्यों ने प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया से विश्वविद्यालय की वेबसाइट के हिन्दी संस्करण के संबंध में विस्तार से चर्चा की एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। विश्वविद्यालय के कार्यालयों में प्रयोग में लिए जा रहे कम्प्यूटरों पर हिन्दी एवं द्विभाषी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध होने पर प्रकोष्ठ की सराहना की। चर्चा के दौरान प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. चौरसिया एवं नेटवर्किंग प्रशासक श्री सचिन सिंह गौतम ने समिति को वेबसाइट पर दिव्यांगों हेतु उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया। समिति ने दिव्यांगों के प्रति विश्वविद्यालय की संवेदनशीलता एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की। समिति ने आशा व्यक्त की कि राजभाषा प्रकोष्ठ के सहयोग से

विश्वविद्यालय की वेबसाइट का हिन्दी संस्करण निरतंर अद्यतनीकृत होता रहेगा। राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने वेबसाइट पर राजभाषा प्रकोष्ठ की उपस्थिति महत्त्वपूर्ण स्थानों पर होने की ओर समिति का ध्यान आकृष्ट किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया, श्री सचिन सिंह गौतम सहित प्रकोष्ठ के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ख. विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 48वीं तिमाही बैठक :

समिति के सदस्यों के विशिष्ट आतिथ्य में माननीय प्रभारी कुलपति प्रो. वाय. एस. ठाकुर की अध्यक्षता में विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 48वीं तिमाही बैठक का आयोजन गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में किया गया। बैठक का प्रारंभ विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तदुपरांत समिति के सदस्य–सचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने समिति के माननीय अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों तथा अन्य गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया।

समिति के समक्ष विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) श्री संतोष सोहगौरा ने विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न आयामों तथा इस दिशा में किए जा रहे नवाचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति एवं राजभाषा प्रकोष्ठ की गतिविधियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करते हूए उन्होंने समिति को अवगत कराया कि कि माननीया कुलपति महोदया के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं के विकास लिए भी उल्लेखनीय नवाचार किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' एवं 'हिन्दी क्लब' का गठन इसके उदाहरण हैं जिनके माध्यम से विश्वविद्यालय में बहुभाषिकता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

बैठक में अपनी बात रखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उप सचिव डॉ. मृगांक शेखर सर्मा ने कहा कि केन्द्रीय कार्यालय होने के नाते भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना हम सभी का उत्तरदायित्व है। उन्होंने बताया कि राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नियम व नियत दोनों ही आवश्यक हैं। प्रेरणा, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन की नीति का पालन करते हुए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए जा रहे नवाचार अनुकरणीय हैं जिनका अनुसरण देश के अन्य विश्वविद्यालय भी कर रहे हैं। यह हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में निरंतर अग्रसर है। वे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना कार्यालयीन कामकाज हिन्दी में करने हेतु निरंतर प्रोत्साहित करती रहती हैं। विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों हेतु उन्होंने राजभाषा प्रकोष्ठ के राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा तथा हिन्दी अनुवादक श्री अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक की प्रसंशा की।

विशिष्ट अतिथि एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के शिक्षा अधिकारी,

डॉ. अमित कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉक्टर हरीसिंह गौर को नमन करते हुए कहा कि डॉक्टर गौर का यह विश्वविद्यालय हिन्दी भाषी क्षेत्र 'क' में स्थित है, इसलिए वार्षिक लक्ष्य की प्राप्ति हेतु शत–प्रतिशत मूल पत्राचार हिन्दी में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने राजभाषा प्रकोष्ठ एवं विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा किए जा रहे प्रकाशनों तथा विश्वविद्यालय में लागू 'राजभाषा पदक एवं पुरस्कार योजना' की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचनाओं तथा दिव्यांगों के उपयोग हेतु वेबसाइट पर प्रदत्त सुविधाओं की भी खूब सराहना की। उन्होंने राजभाषा प्रकोष्ठ की सराहना करते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से राजभाषा कार्यान्वयन के लक्ष्यों की पूर्ति किया जाना संभव है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में बताया कि राजभाषा हिन्दी का विकास तभी संभव है जब यह स्वतः स्फूर्त होकर हमारे दैनंदिन कार्यालयीन कामकाज का हिस्सा बन जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के मन एवं आत्मा में हिन्दी है। इसलिए हिन्दी में कार्य करते हुए हमें गौरवान्वित महसूस करना चाहिए।

बैठक में माननीय अध्यक्ष महोदय, विशिष्ट अतिथियों एवं गणमान्य सदस्यों का आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया।

बैठक में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, प्रो. चंदा बैन, प्रो. वर्षा शर्मा, प्रो. डी.के. नेमा, प्रो. नेत्रपाल सिंह, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अनिल कुमार जैन, डॉ. श्वेता यादव, प्रो. आर.टी. बेद्रे, डॉ. मोहन टी.ए., डॉ. सुरेन्द्र पी. गादेवार, डॉ. अभिषेक कुमार जैन, श्रीमती ए. लक्ष्मी, श्री आंजनेय शुक्ला, श्री रूपेन्द्र कुमार चौरसिया, श्री सचिन सिंह गौतम, श्री राजकुमार पाल, श्री राहुल गिरी गोस्वामी, श्री ब्रजभूषण सिंह, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।

ग. राजभाषा प्रदर्शनी का शुभारंभ :

विश्वविद्यालय के राजभाषा निरीक्षण के दौरान राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलसचिव कार्यालय परिसर में 'राजभाषा प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। उक्त प्रदर्शनी का शुभारंभ माननीय प्रभारी कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर एवं यूजीसी, नई दिल्ली से पधारे सम्माननीय अतिथिद्वय डॉ. मृगांक शेखर सर्मा एवं डॉ. अमित कुमार वर्मा द्वारा किया गया। राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की संकल्पना, प्रेरणा तथा प्रोत्साहन से राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा लगायी गयी इस भव्य राजभाषा प्रदर्शनी में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित दस्तावेज, राजभाषा के प्रगामी प्रयोग से जुड़े प्रतिवेदन, राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा समय–समय पर आयोजित गतिविधियों के साक्ष्य, कार्यशालाओं एवं हिन्दी पखवाड़ा प्रतिवेदन, जनसंपर्क कार्यालय द्वारा तैयार की गईं विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्टें, विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा, स्मारिकाएं तथा विभिन्न विभागों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ आदि को स्थान दिया गया है। उक्त प्रदर्शनी में डिजिटल माध्यम से विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की गयी जिसे दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्ताधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक, संकाय गतिविधियाँ, निदेशक, अकादमिक गतिविधियाँ, अधिष्ठाता, छात्र गतिविधियाँ, भाषा अध्ययनशाला की अधिष्ठाता, हिन्दी विभाग के अध्यक्ष सहित विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

***

फोटो गैलरी

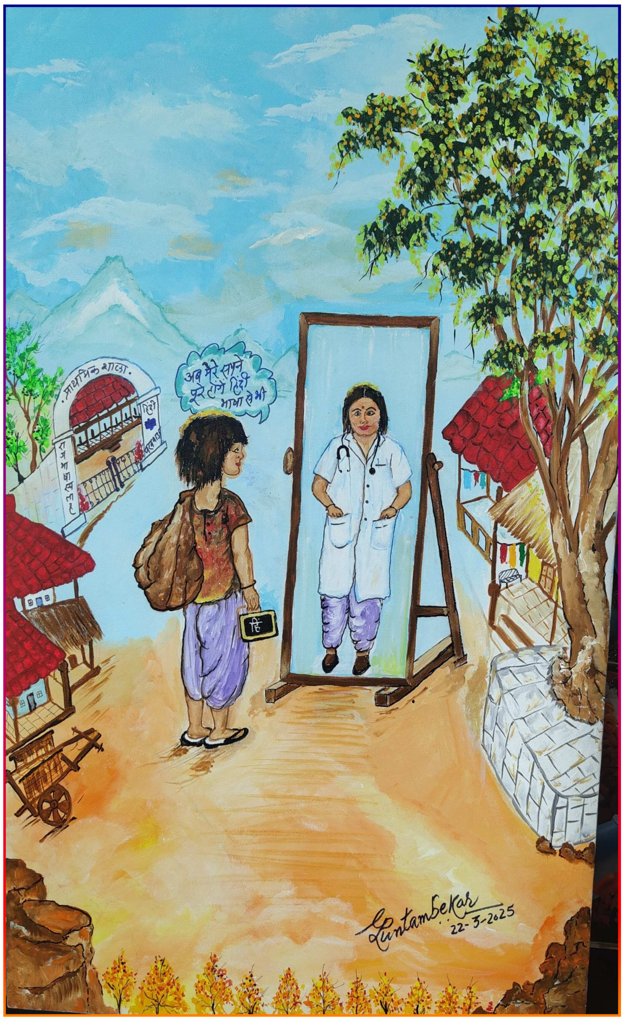

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ४८वीं तिमाही बैठक
एवं राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम
२८ मार्च २०२५, शुक्रवार

राजभाषा प्रदर्शनी
राजभाषा प्रदर्शनी
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हार्दिक अभिनंदन

पाठ्कायक्रमों का ग्राफिकल प्रस्तुतिकरण
ed Courses in 2017-18 to 2022-23
CONDUCTED
Graphical Presentation of Participants in 2017-18 to 2022-23
YEAR 2017-18
YEAR 2018-19
YEAR 2019-20
YEAR 2020-21
YEAR 2021-22
YEAR 2022-23
Orientation/FIP Programme
Refresher Courses
Short-Term Courses
Total Participants
Graphical Presentation of Funds Received and Utilized in 2017-18 to 2021-22

भारतीय भाषा प्रकोष्ठ
डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान विभाग

समाचार–पत्रों की कतरनें

हिन्दी कार्यान्वयन के उत्कृष्ट प्रयासों की यूजीसी ने की सराहना

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरिसिंह गौर विवि में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी हेतु विवि अनुदान आयोग यूजीसी शिक्षा मंत्रालय की उच्चस्तरीय समिति द्वारा राजभाषा निरीक्षण हुआ। निरीक्षण समिति में यूजीसी के उप सचिव डॉ. मृगांक शेखर शर्मा और शिक्षा अधिकारी डॉ. अमित कुमार वर्मा उपस्थित रहे। समिति ने सर्वप्रथम विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारियों और

कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद समिति ने प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों व अनुभागों में हिन्दी कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समिति ने विवि परिसर स्थित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ और जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का दौरा किया और वहां के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। डॉ. मृगांक शेखर शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय कार्यालय होने के नाते भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना सभी का उत्तरदायित्व है। उन्होंने विवि में राजभाषा कार्यान्वयन के लिये प्रेरणा, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन की नीति को अनुकरणीय बताया और कहा कि अन्य विवि भी इसे अपनायें। संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी प्रो. संतोष सोहगौरा ने विवि में राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में विवि में न केवल हिन्दी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं के विकास के लिये भी उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय भाषा प्रकोष्ठ और हिन्दी क्लब का गठन इसका प्रमाण है, जिससे बहुभाषिकता को बढ़ावा मिल रहा है। बैठक के अवसर पर प्रभारी कुलपति और यूजीसी के अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया। इस प्रदर्शनी में दस्तावेजों, प्रतिवेदनों और डिजिटल माध्यम से विवि में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की प्रगति को प्रदर्शित किया गया, जिसे दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। डॉ. अमित कुमार वर्मा ने विवि के संस्थापक डॉ. हरिसिंह गौर को नमन करते हुये कहा कि चूंकि यह विवि हिन्दी भाषी क्षेत्र में स्थित है, इसलिये शत प्रतिशत मूल पत्राचार हिन्दी में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने विवि द्वारा लागू राजभाषा पदक एवं पुरस्कार योजना की भी प्रशंसा की। बैठक में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, प्रो. चंदा बैन, प्रो. वर्षा शर्मा, प्रो. डीके नेमा, प्रो. नेत्रपाल सिंह, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विवि के विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारी उपस्थित रहे।

र्च, 2025 **सागर जिला** www.naidunia.com

'राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए नियम व नीयत दोनों ही आवश्यक'

विवि अनुदान आयोग की टीम ने किया डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का निरीक्षण, राजभाषा कार्यान्वयन की उत्कृष्ट स्थिति के लिए किए प्रयासों की यूजीसी ने की सराहना

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्चस्तरीय समिति द्वारा शुक्रवार को विवि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में विवि अनुदान आयोग के उच्च पदाधिकारीगण डा. मृगांक शेखर सर्मा, उप सचिव एवं डा. अमित कुमार वर्मा, शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की। इसके बाद प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विवि परिसर स्थित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का भी दौरा किया व राजभाषा क्रियान्वायन की समीक्षा की। राजभाषा नीतियों का शत-प्रतिशत अनुपालन करना हम सभी का उत्तरदायित्व प्रभारी कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 48वीं तिमाही बैठक में अपनी बात रखते हुए डा. मृगांक शेखर सर्मा ने कहा कि केंद्रीय कार्यालय होने के नाते भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना हम सभी का उत्तरदायित्व है।

विवि अनुदान आयोग की टीम ने विवि का निरीक्षण किया। • नवदुनिया

उन्होंने बताया कि राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नियम व नीयत दोनों ही आवश्यक हैं। प्रेरणा, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन की नीति का पालन करते हुए विश्व विद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए जा रहे नवाचार अनुकरणीय हैं जिनका अनुसरण देश के अन्य विश्व विद्यालय भी कर रहे हैं।

हिंदी में कार्य करते हुए हमें गौरवान्वित महसूस करना चाहिए : प्रभारी कुलपति प्रो. ठाकुर ने बताया कि राजभाषा हिंदी का विकास तभी संभव है जब यह स्वतः स्फूर्त होकर हमारे दैनंदिन कार्यालयीन कामकाज का हिस्सा बन जाए। उन्होंने कहा कि विवि के मन एवं आत्मा में हिन्दी है। इसलिए हिंदी में कार्य करते हुए हमें गौरवान्वित महसूस करना चाहिए। डा. अमित कुमार वर्मा ने कहा कि डा. गौर का यह विवि हिंदी भाषी क्षेत्र 'क' में स्थित है, इसलिए वार्षिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शत-प्रतिशत मूल पत्राचार हिंदी में करना बहुत ही आवश्यक है।

किए जा रहे नवाचार

राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि विवि में न केवल राजभाषा हिंदी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं के विकास लिए भी उल्लेखनीय नवाचार किए जा रहे हैं। इस दौरान अतिथियों द्वारा 'राजभाषा प्रदर्शनी' का भी शुभारंभ किया गया। बैठक में प्रभारी कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, प्रो. चंदा बैन, प्रो. वर्षा शर्मा, प्रो. डीके नेमा, प्रो. नेत्रपाल सिंह, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. नवीन कानगो आदि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने किया निरीक्षण

लक्ष्य प्राप्ति के लिए शत-प्रतिशत पत्राचार हिन्दी में ही किया जाए

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारत सरकार की उच्चस्तरीय समिति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय का राजभाषा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में डॉ. मृगांक शेखर सर्मा, उपसचिव व डॉ. अमित कुमार वर्मा उपस्थित रहे। समिति ने सर्वप्रथम विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की। उसके बाद विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया।

बैठक के दौरान डॉ. अमित कुमार वर्मा ने कहा कि यह विवि हिन्दी भाषी क्षेत्र में स्थित है, इसलिए वार्षिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शत-प्रतिशत मूल पत्राचार हिन्दी में किया जाना आवश्यक है। संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं के विकास लिए भी नवाचार किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं हिन्दी क्लब का गठन इसके उदाहरण हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन के नवाचार अनुकरणीय, देश के अन्य विवि कर रहे अनुसरण: डॉ. सर्मा

भास्कर संवाददाता|सागर

केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिंदी की प्रगति की निगरानी के लिए यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्चस्तरीय समिति ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में निरीक्षण किया। समिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उप सचिव डॉ. मृगांक शेखर सर्मा एवं शिक्षा अधिकारी डॉ. अमित कुमार वर्मा शामिल रहे। समिति ने विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की। प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों/ अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का भी दौरा किया तथा राजभाषा क्रियान्वयन की समीक्षा की। समिति के सदस्यों के विशिष्ट आतिथ्य में प्रभारी कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर की अध्यक्षता में विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 48वीं तिमाही बैठक हुई। डॉ. सर्मा ने कहा प्रेरणा, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन की नीति का पालन करते हुए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे नवाचार अनुकरणीय हैं। जिनका अनुसरण देश के अन्य विश्वविद्यालय भी कर रहे हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में विश्वविद्यालय राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में अग्रसर है। डॉ. वर्मा ने कहा डॉ. गौर का यह विश्वविद्यालय हिंदी भाषी क्षेत्र में स्थित है इसलिए वार्षिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शतप्रतिशत मूल पत्राचार हिंदी में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने राजभाषा प्रकोष्ठ एवं विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा किए जा रहे प्रकाशनों तथा विश्वविद्यालय में लागू राजभाषा पदक एवं पुरस्कार योजना की प्रशंसा की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी कुलपति प्रो. ठाकुर ने बताया राजभाषा हिंदी का विकास तभी संभव है जब यह स्वस्फूर्त होकर हमारे दैनंदिन कार्यालयीन कामकाज का हिस्सा बन जाए। विश्वविद्यालय के मन एवं आत्मा में हिंदी है इसलिए हिंदी में कार्य करते हुए हमें गौरवान्वित महसूस करना चाहिए।

हिन्दी की प्रगति के संबंध में जानकारी ली

सागर,आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्चस्तिरीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उच्च पदाधिकारीगण डॉ. मृगांक शेखर सर्मा, उप सचिव एवं डॉ. अमित कुमार वर्मा, शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे. समिति ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की तदुपरांत प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों/अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का भी दौरा किया तथा राजभाषा क्रियान्वयन की समीक्षा की।

समिति के सदस्यों के विशिष्ट आतिथ्य में प्रभारी कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 48वीं तिमाही बैठक में अपनी बात रखते हुए डॉ. मृगांक शेखर सर्मा ने कहा कि केन्द्रीय कार्यालय होने के नाते भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना हम सभी का उत्तरदायित्व है। उन्होंने बताया कि राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नियम व नियत दोनों ही आवश्यक हैं। प्रेरणा, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन की नीति का पालन करते हुए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वमयन हेतु किए जा रहे नवाचार अनुकरणीय हैं जिनका अनुसरण देश के अन्य विश्वनविद्यालय भी कर रहे हैं। यह हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में अग्रसर है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
(Ministry of Education, Govt. of India)
बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली–110 002
Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002
Phone : 011-23604448, 011-23604319

सत्यमेव जयते

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

मि० सं० 1–3/2023 (राजभाषा)

14 फरवरी, 2025

कुलपति,
डॉ० हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर, मध्य प्रदेश–470003

विषयः <u>विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की निरीक्षण समिति द्वारा राजभाषाई निरीक्षण।</u>

महोदय/महोदया,

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक काम–काज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी हेतु माननीय अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा डॉ० हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषाई निरीक्षण हेतु निम्न सदस्यों की समिति का गठन किया गया है:–

1. डॉ० मृगांक शेखर सर्मा
   उप सचिव
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   मो० नं० : 99104 34075
   दूरभाष नं० : 011–23604438
   ई–मेल : mssarma.ugc@nic.in

2. डॉ० अमित कुमार वर्मा
   शिक्षा अधिकारी
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   मो० नं० : 70426 07849
   दूरभाष नं० : 011–23604205
   ई–मेल : akverma.ugc@nic.in

समिति की इस बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव एवं सभी प्रशासनिक अधिकारियों का शामिल होना अनिवार्य है।

आपके विश्वविद्यालय का राजभाषाई निरीक्षण 31 मार्च, 2025 तक संपन्न किया जाना अनिवार्य है। अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त नामित **सदस्यों से संपर्क कर निरीक्षण की तिथि निश्चित कर लें।** निरीक्षण प्रोफॉर्मा की सूचनाओं एवं तथ्यों के सत्यापन हेतु संबंधित सामग्री समिति को निरीक्षण के समय उपलब्ध करवाने का कष्ट करें।

उपरोक्त के अनुसार विदित हो कि विश्वविद्यालय के निरीक्षण के दौरान समिति के सदस्यों के आवास, परिवहन की व्यवस्था, मानदेय एवं यात्रा भत्ता विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा।

भवदीय,

(डॉ० मंथा श्रीनिवासु)
संयुक्त सचिव (राजभाषा)

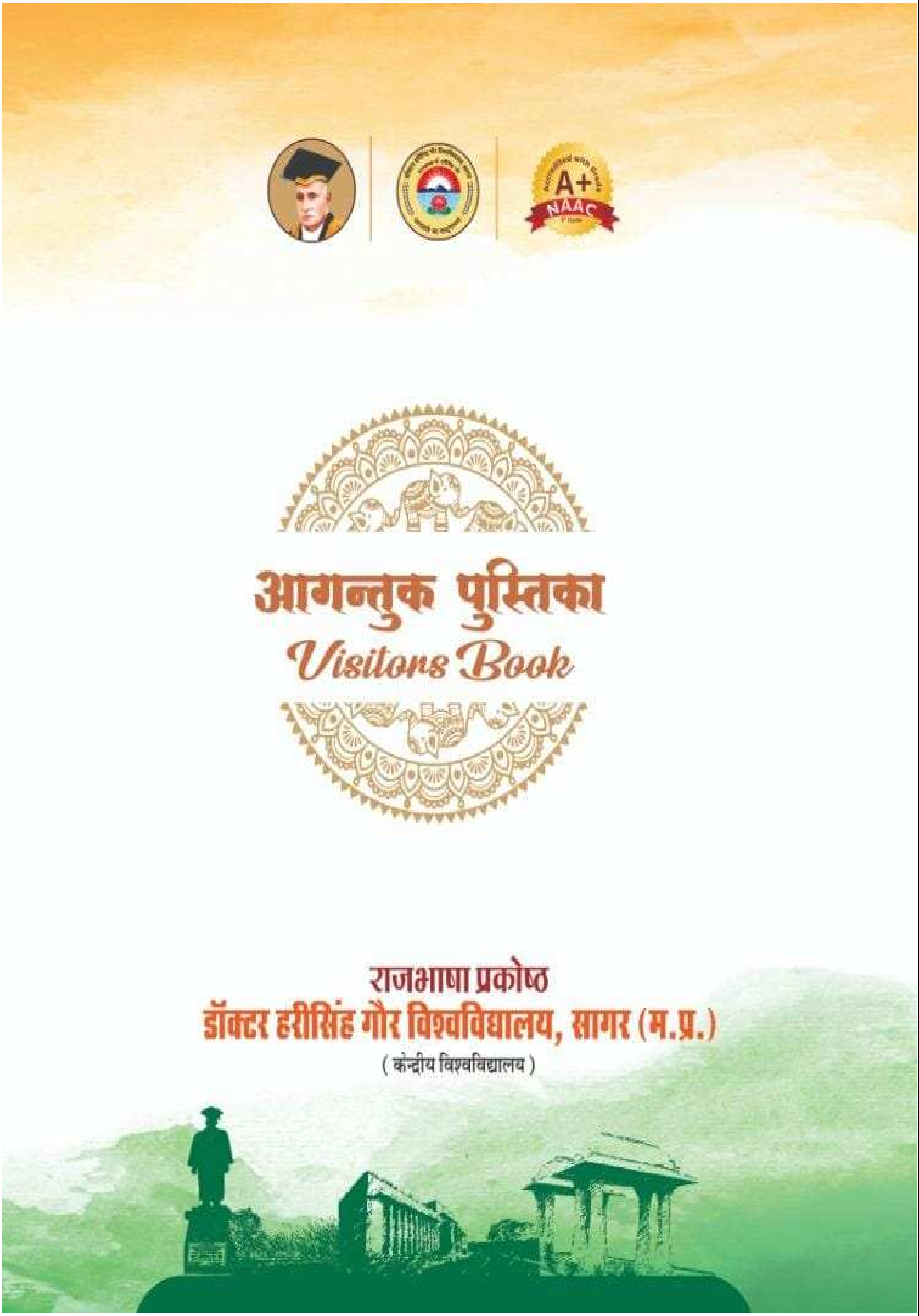
आगन्तुक पुस्तिका
Visitors Book
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
A+
NAAC

शुभकामना संदेश

②

4/4/25, 12:19 PM — Dr Harisingh Gour Vishwavidyalaya Sagar Mail - Fwd: A few words for the Visitors Book

Rajbhasha Officer <rajbhasha@dhsgsu.edu.in>

Fwd: A few words for the Visitors Book
1 message

Santosh Sohgaura <santosh.sohgaura@gmail.com> Fri, Apr 4, 2025 at 11:07 AM
To: rajbhasha@dhsgsu.edu.in

---------- Forwarded message ---------
From: **Mriganka Sekhar Sarma** <mssarma.ugc@nic.in>
Date: Thu, 3 Apr, 2025, 5:54 pm
Subject: A few words for the Visitors Book
To: santosh sohgaura <santosh.sohgaura@gmail.com>

Sir,
Kindly add the following on my behalf:

राजभाषा प्रकोष्ठ, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सक्रिय रूप से राजभाषा के प्रचार और प्रसार के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। हम इस पर विश्वविद्यालय को बधाई देते हैं। हमारी विश्वविद्यालय की यात्रा के दौरान, हमने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित कई प्रकाशन देखे। हम दृढ़ता से मानते हैं कि विश्वविद्यालय द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए गए कार्य अन्य विश्वविद्यालयों को भी प्रेरित करेंगे।

With regards,
Dr. Mriganka Sekhar Sarma
Deputy Secretary
UGC

1/2

①

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा ~~किये~~ जाने वाले कार्य अत्यन्त सराहनीय हैं। समयानुकूल/समीचीन बदलावों से राजभाषायी कार्यों और गतिविधियों के द्वारा बदलते और विकसित होते भारत या कहें वैश्वीकृत दुनिया से ~~~~ कदमताल करने के लिए प्रतिबद्ध विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की पूरी टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए अनेकानेक बधाइयाँ एवं भावी शुभेच्छाएँ।

अमित
28.03.2025

(डॉ० अमित कुमार वर्मा
यू. जी. सी.; नई दिल्ली)

"विश्वविद्यालय के राजभाषा निरीक्षण के दौरान वि० वि० पधारे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षा अधिकारी डॉ. अमित कुमार वर्मा के विचार।"

"हिन्दी उन सभी गुणों से अलंकृत है, जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषा की अगली श्रेणी में समासीन हो सकती है।"

■ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त

राजभाषा प्रकोष्ठ

शुभकामना संदेश

④

यह अत्यंत सराहनीय है कि राजभाषा प्रकोष्ठ, डॉ० हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर निरंतर अपनी रचनात्मक गतिविधियों और प्रयासों से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है। समय-समय पर आयोजित कार्यक्रमों और अपनी नवीन दृष्टि से राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी और कर्मचारी अपनी सार्थक और विशिष्ट भूमिका के निर्वाह के लिए जाने जाते हैं। भाषाभारती का प्रकाशन, कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए पुरस्कार योजना, प्रशिक्षण आदि इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि राजभाषा प्रकोष्ठ अपनी प्रगति और प्रयोग के प्रति सभी को आश्वस्त करता है।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ

29.5.25

प्रो० आनन्द प्रकाश त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर।
9425656284

③

यह प्रसन्नता का विषय है कि राजभाषा प्रकोष्ठ डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) की राजभाषाई गतिविधि बेहद प्रशंसनीय है। विश्वविद्यालय में राजभाषा प्रकोष्ठ अनेक गतिविधियों जैसे भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के प्रति जागरूक करता है। यह प्रकोष्ठ समय-समय हिन्दी भाषा के प्रति नये-नये विचारों और सृजनात्मक उपक्रमों को रचता रहता है।

मैं, प्रकोष्ठ को उसके उत्कृष्ट कार्यों लिए बहुत-बहुत बधाई देती हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

29/5/25

प्रो. चन्दा बैन
अधिष्ठाता, भाषा अध्ययनशाला
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर (म.प्र.)

आमंत्रण

भारत सरकार

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के
पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ४८वीं तिमाही बैठक

में आप सादर आमंत्रित हैं।

अध्यक्ष

प्रो. नीलिमा गुप्ता

माननीया कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

विशिष्ट अतिथि

डॉ. मृगांक शेखर सर्मा

उप सचिव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि

डॉ. अमित कुमार वर्मा

शिक्षा अधिकारी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

सदस्य-सचिव

श्री संतोष सोहगौरा

संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

कार्यक्रम

दिनांक - २८ मार्च २०२५ | समय - मध्याह्न १२.०० बजे

स्थान - गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन

विशेष आकर्षण

राजभाषा प्रदर्शनी

स्थान - कुलसचिव कार्यालय

आयोजक

राजभाषा प्रकोष्ठ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)